बेलवाधार योजना • शिवहर में 2 नदियां आपस में कनेक्ट होंगी, पहले फेज का 85% काम पूरा, **लाभ-उत्तर बिहार को बाढ़ से बड़ी राहत**

बिहार की पहली नदी जोड़... इसी साल बूढ़ी गंडक से जुड़ेगी बागमती

4 जिलों को सीधा लाभ...

बाढ़ से हर साल होने वाली क्षति रुकेगी, सिंचाई की सुविधा भी मिलेगी

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

बागमती नदी को बूढ़ी गंडक से जोड़ा जाएगा। इसके लिए शिवहर जिला स्थित बेलवाधार योजना पर काम हो रहा है। इस साल के अंत तक योजना पूरी हो जाएगी। इसके बाद इस प्रक्षेत्र में बागमती का अधिशेष पानी बूढ़ी गंडक में प्रवाहित हो सकेगा। यह जानकारी जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने बुधवार को विधानसभा में दी। विभाग के बजट पर चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि यह बिहार की पहली नदी जोड़ योजना है। इस योजना से चार जिलों को सीधा लाभ होगा। शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और मुजफ्फरपुर में बाढ़ से बचाव हो सकेगा। साथ ही बड़े इलाके में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। शिवहर से मोतिहारी जाने वाली स्टेट हाईवे पर आवागमन भी बाधित नहीं होगा, जो हर साल बागमती के पानी के कारण बाधित होता है। दो चरणों में इस योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। सबसे अहम काम पहले चरण में होना है। इसमें बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज-4ए के अंतर्गत बागमती के दाएं तट पर बेलवा के नजदीक हेड रेगुलेटर व बांध का निर्माण व एड प्रोटेक्शन का कार्य हो रहा है। इस फेज का 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है। संजय झा ने बताया कि वर्ष 2022-23 में 1.43 लाख हेक्टेयर में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन होगा। इसके लिए 25 योजनाओं पर काम चल रहा है।

कैसे बदलेगी धारा • बागमती का पानी बूढ़ी गंडक में जाएगा

इस योजना के द्वारा बागमती नदी के पानी को बागमती धार (बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल) को पुनर्जीवित कर, चैनल के दोनों ओर तटबंध का निर्माण कर बेलवा स्थित हेड रेगुलेटर के माध्यम से बूढ़ी गंडक नदी में पहुंचाना है।

मंत्री बोले-बिहार ने ही दिया इंट्रालिंकिंग ऑफ रिवर्स का कान्सेप्ट

मंत्री बोले-इंटर लिंकिंग ऑफ रिवर्स के स्थान पर इंट्रालिंकिंग ऑफ रिवर्स का कान्सेप्ट बिहार ने ही दिया। बिहार सरकार के अनुरोध पर राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण बागमती-गंगा लिंक, बूढ़ी गंडक-नून-बाया-गंगा लिंक और बागमती-बूढ़ी गंडक लिंक योजना की संभाव्यता पर पुनर्विचार कर रहा है। वहीं, कोसी-मेची लिंक योजना से पूर्वी कोसी मुख्य नहर का 41.30 किमी में रिमॉडलिंग कार्य, 76.20 किमी में मुख्य नहर का निर्माण और 229 किमी में शाखा नहर का निर्माण होना है। इससे 4 जिलों में 2.15 लाख हेक्टेयर में सिंचाई व बाढ़ से राहत मिलेगी।

प्रदेश में प्रस्तावित दूसरी नदी जोड़ योजनाएं

कोसी-मेची लिंक: केंद्र से क्लियरेंस मिल चुका है। योजना के अमल में आने से सुपौल, सहरसा, अररिया, किशनगंज व पूर्णिया को फायदा होगा।

कोहरा-चंद्रावत लिंक ; कोसी गंगा लिंक; बागमती-गंगा ; पुनपुन-हरोहर (प्रस्तावित); बूढ़ी गंडक-नून-बाया (केंद्र को सुपुर्द किया जा चुका है)

देश में पूरी हुई और चालू नदी जोड़ योजनाएं

गोदावरी-कृष्णा (पूरी हो चुकी)। इसके अलावा, कृष्णा-पेन्नार ; नागार्जुन सागर-सोमसिला; केन-बेतवा; कावेरी-वैगई-गुंडर; पोलवरम-विजयवाडा (सभी निर्माणाधीन)

इन योजनाओं पर भी काम तेजी से चल रहा

- मंत्री बोले-गया में फल्गू में सालो भर पानी के लिए रबर डैम का निर्माण पितृपक्ष के पहले पूरा हो जाएगा।
- गया, नवादा व राजगीर को गंगा जल की आपूर्ति का 80 फीसदी काम पूरा हुआ। 151 किमी में 142 किमी में पाइप लाइन बिछा दी गई है।